

CONTENTS

| PAGE | PAGE | | |
|---|------|---|------|
| PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court. | 729 | PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories). | * |
| PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court | 1111 | PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence | * |
| PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence | — | PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India | 931 |
| PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence | 1583 | PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs | 1025 |
| PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations | * | PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners | * |
| PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations | * | PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies | 1031 |
| PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills | * | PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies | 151 |
| PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) | * | PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi | * |
| PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) | * | | |

भाग I—खण्ड 1

[PART I--SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियोगों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

लोक सभा सचिवालय

(रे० ब० स० शाखा)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 25 अगस्त 1989

सं० 4/5/85-आर० सी० सी०—सर्वश्री वसुदेव आचार्य और वी० तुलसीराम द्वारा लोक सभा से न्यायपत्र दिये जाने के कारण उनके स्थानपर श्री चिरंजीलाल शर्मा और श्री स्वामी प्रसाद सिंह, सदस्य लोक सभा को रेलवे उपकरण द्वारा सामान्य राजस्व की देय लाभांश की दर तथा सामान्य वित्त की तुलना में रेलवे वित्त से संबंधित अन्य आनुपर्याप्त मामलों की पुनरीक्षा करने वाली संसदीय समिति के सदस्य के रूप में कार्य करने के लिए, 23 अगस्त, 1989 की मनोनीत किया गया है।

आर० डी० शर्मा, संयुक्त सचिव

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 29 सितम्बर 1989

संकल्प

सं० एफ० 4(2)/88-रा० भा०—विधायी विभाग दिनांक 8 सितम्बर, 1989 के अनुक्रम में श्री तंदु महतो, सदस्य राज्यसभा एवं सदस्य राजभाषा वंसदीय समिति की विधि और न्याय मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति में सदस्य होंगे।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ भेजी जाएः—

प्रधान मंत्री कार्यालय/मंत्रिमंडल सचिवालय/संसदीय कार्य विभाग/लोकसभा सचिवालय/राज्य सभा सचिवालय/महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली और भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग।

यह आदेश भी दिया जाता है कि संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एम० के० रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन तथा वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 22 अगस्त 1989

संकल्प

सं० ई० 11011/1/89-हिन्दी-2—भारत सरकार ने पर्यावरण और वन मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है। समिति का गठन, कार्य आदि निम्नलिखित होंगे—

गठन

पर्यावरण और वन मंत्री

अध्यक्ष

पर्यावरण और वन राज्यमंत्री

उपाध्यक्ष

लोकसभा से दो संसद सदस्य

1. श्री शंकर दयाल सिंह, संसद सदस्य (लोकसभा) सदस्य
2. श्री राम समुद्रावन, संसद सदस्य (लोकसभा) सदस्य
3. श्री शिवकुमार मिश्र, संसद सदस्य (राज्यसभा) सदस्य
4. ठाकुर कामालाल प्रभाद सिंह, संसद सदस्य (राज्यसभा) सदस्य
5. श्री जे० चोकाराव, संसद सदस्य (लोकसभा) सदस्य
6. श्री मंती केसरबाई धीरसागर, संसद सदस्य (लोकसभा) गैर-सरकारी सदस्य
7. प० सुधाकर पाठेय, प्रधान मंत्री, नागरी प्रकाशिणी सभा, वाराणसी-221001 सदस्य
8. श्री प्रकाशनन्द शिवहरे, बालूरांग, आगरा (उ० प्र०)। सदस्य
9. अध्यक्ष केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, एक्स० वाई०-68, सरोजनी नगर, नई दिल्ली 110023 सदस्य
10. श्री नारायण दत्त बच्चेती, 85, वसंत विहार, देहरादून। सदस्य
11. डा० डी० ए० तिवारी, कुलपति, गुरु धारीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर (म० प्र०)। सदस्य
12. डा० विश्वनारायण शास्त्री रेड्डास रोड, गुवाहाटी। सदस्य
13. डा० विश्वानंत वर्णश्च, डी०-3/2, लोबोनी एसटैट, साल्ट लेक सिटी, कलकत्ता-700064। सदस्य
14. प्रो० (डा०) इकबाल अहमद, हिन्दी विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय कालीकट। [सदस्य]

| | | |
|--|-------------|---|
| 15. सौ० ऊपा भालेराव, | सदस्य | 2. समिति का कार्य |
| झाग, श्री विनेश भास्मेश्वर, | | यह समिति पर्यावरण और वन मंत्रालय के कामकाज में हिंदी के उनांगोंवर प्रयोग से संबंधित मामलों और सम्बद्ध विषयों में गतान्त्र रही। |
| उप निदेशक, समाजिक वानिकी, | | 3. कार्यकाल |
| शिवाजी नगर, | | |
| आक्षयना-परभणी-431401 (महाराष्ट्र)। | | |
| मरकारी सदस्य | | |
| 16. सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय | मदरस्य | समिति के सदस्यों का कार्यालय यामान्य जल से समिति के गठन को नियंत्रित करने के अवैतन, 3 वर्ष का होगा। |
| 17. वन महानिरीक्षक, पर्यावरण और वन मंत्रालय | मदरस्य | (क) जो संसद मदरस्य समिति के मदरस्य है, वे संसद मदला ने इन्हें पर इस समिति के मदस्य नहीं रख गए। |
| 18. अपर सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय | मदरस्य | (ख) समिति के पदेन मदस्य अपने पद पर कार्य करते रहते तक समिति के मदस्य होते हैं। |
| 19. अपर सचिव, गशा परियोजना निदेशालय | मदरस्य | (ग) यदि किसी मदस्य की मृत्यु हो जाते के कारण स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य 3 वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिये मदस्य होगा। |
| 20. अपर सचिव, राष्ट्रीय परसी भूमि विकास बोर्ड | मदरस्य | |
| 21. संयुक्त सचिव (प्रशा०), पर्यावरण और वन मंत्रालय | मदरस्य | |
| 22. संयुक्त सचिव (वित्त), पर्यावरण और वन मंत्रालय | मदरस्य | 4. यामान्य |
| 23. उप सचिव (प्रशा०), पर्यावरण और वन मंत्रालय मदस्य | | 1. समीक्षा अतिरिक्त मदस्यों को महानिदेशक वस्त्रों के हृष्ण में नामित नहीं करती है और समय-समय पर आवश्यकतातुसार अपनी बैठकों में विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकती है। |
| 24. सचिव, राजभाषा विभाग एवं भारत सरकार के हिंदी मलाहकार | मदरस्य | 2. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा किन्तु समिति अपनी बैठकें आवश्यकता पड़ने पर किसी अस्थि स्थान पर भी कर सकती है। |
| 25. मंत्रक सचिव, राजभाषा विभाग | मदरस्य | |
| 26. अध्यक्ष, केन्द्रीय प्रशासन नियंत्रण बोर्ड, नई दिल्ली | मदरस्य | 5. यामान्य भने तथा अन्य भने |
| 27. निदेशक, राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली | मदरस्य | गैर सरकारी मदस्यों की समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित वर्णों पर यात्रा तथा दिनांक भलेपदिये जायेंगे। |
| 28. निदेशक, राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दिल्ली | मदरस्य | |
| 29. महानिदेशक, वानिकी अनुसंधान तथा शिक्षा परिषद, वैद्यरावून | मदरस्य | आवेदन |
| 30. निदेशक, भारतीय वन मर्केजन, देहरादून | मदरस्य | आदेश विद्या जाता है कि इस मंत्रालय की प्रशिक्षण समिति के सभी मदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, प्रशासनमंत्री कार्यालय मंत्रीमंडल संचिवालय संसदीय कार्य विभाग, लोहसभा संचिवालय, राज्य सभा संचिवालय, राष्ट्रपति संचिवालय, भारत सरकार के नियंत्रक और महानेता परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेजी जायें। |
| 31. निदेशक, हिंदू गांधी वन अकादमी, वैद्यरावून | मदरस्य | |
| 32. निदेशक, भारतीय वन संगठन, कलकत्ता | मदरस्य | |
| 33. निदेशक, भारतीय प्राणी मर्केजन, कलकत्ता | मदरस्य | |
| 34. प्रबंध निदेशक, अण्डमान व निकोबार द्वीपसमूह वन शाखान विकाग निगम, निः०, पोदी इन्डिया | मदरस्य | |
| 35. उप निदेशक (ग० भा०), पर्यावरण और वन मंत्रालय | मदरस्य-मिशन | यह आदेश विद्या जाता है कि यह मंत्रालय आम जातकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये। |

इस्पात और स्थान मंत्रालय

नियमावली

नई विली, दिनांक 28 अक्टूबर, 1989

सं. प्र. - 12025/12/89/प्र. 2(ए).—निम्नलिखित उक्त पदों को भरने के लिये 1990 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नी जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली जल संसाधन मंत्रालय की सहमति से मर्यादाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित की जाती है :—

वर्ग II (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड जल संसाधन मंत्रालय के पद)

- (1) वैज्ञानिक "स" भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) श्रृंप के और
- (2) सहायक भू-विज्ञानी श्रृंप स
वर्ग I) (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड जल संसाधन मंत्रालय के पद)
- (3) वैज्ञानिक "स" (कनिष्ठ जल, भू-विज्ञानी)
श्रृंप "क" (ii) सहायक जल भू-विज्ञानी श्रृंप स

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों के लिये प्रतियोगी हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए। जिनके लिये वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है।

जिस पद वर्ग/वर्गों के लिये उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहे हैं उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा निर्दिष्ट वरीयताओं के परिवर्तन सम्बन्धी किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध रांगगार समाचार में लिखित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के अन्दर या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त न हो जाए।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में अस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थाई नियुक्तियां होंगी उम्मीदवार अपनी बारी में स्थाई रूप से नियुक्त कर दिए जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में निर्दिष्ट की जाएंगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिवर्तन 1 निर्धारित रीति से आयोजित की जाएंगी।

परीक्षा कब और कहाँ होंगी यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. क्रेह उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थाई निवास के द्वारे से 1 जनवरी 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के द्वारे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टगानीका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया मलायी, जर्मनी, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवृत्त कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (स), (ग), (घ) और

(ङ) में सम्बद्ध उम्मीदवारों को सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है। किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 1990 के 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हो हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1960 से पहले और 1 जनवरी, 1969 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम। में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित है और यदि वे कालम ।। में उल्लिखित समरूपी पद (पर्वों)

हस्तु आवेदन करते हैं उनके मामले में उपरी आयु सीमा में
अधिकतम् 7 वर्ष की छूट दी जाएगी :—

| कालम | कालम |
|-----------------------------|--|
| भारतीय भू-वैज्ञानिक मरेक्षण | भूविज्ञानी (कनिष्ठ) युप 'क' सहायक भूविज्ञानी युप 'ख' वैज्ञानिक 'ख' |
| किसी भू-जल बोर्ड | (कनिष्ठ जल भूविज्ञानी) युप 'क' सहायक जल-भूविज्ञानी युप 'ख' |

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में उपर निर्धारित उपरी आयु सीमा में और छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर, भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 से 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान, प्रत्यावर्तित होकर, भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 के या उसके बाव वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ हो या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 के या उसके बाव वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (6) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका तथा जंजीबार) से प्रवृत्ति किया हो या जांडिया, मलावी, जेरे और हाथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;

- (7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और भारत मूलक का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका तथा जंजीबार) से प्रवृत्ति कर आया है या जांडिया, मलावी, जेरे तथा हाथियोपिया से भारत मूलक का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष;
- (8) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाव वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो वर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाव वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (10) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के कार्यक्रमों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (11) शत्रु देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फाँजी कार्रवाई के दौरान, विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जन जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कार्यक्रमों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) हो और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विदेशनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र हो और जो विदेशनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया हो, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (13) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और विदेशनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके विदेशनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र हो और जो विदेशनाम से जुलाई, 1975 के बाव भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्कालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1990 को कम से कम 5 वर्ष की

सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुए शारीरिक अपेगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी समिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1990 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;

(15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अत्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1990 को कभी से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपेगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी समिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1990 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक;

(16) आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकारम् 5 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1990 तक पूरी कर ली है, और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा संत्रालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा;

(17) अनुसूचित जाति अध्या अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकारम् 10 वर्ष जिन्होंने सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1990 तक पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा संत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(18) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, प्रवृत्त कर आया है तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;

(19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्त कर आया है तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;

(20) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक;

(21) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अध्या अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी-1 :—भूतपूर्व सैनिक शब्द उन व्यक्तियों पर लागू होता है जिन्हें समय-समय पर यथा संशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा और पद में पुनः रोजगार) नियम, 1979 के अधीन भूतपूर्व सैनिक के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टिप्पणी-2 :—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल श्वेत में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, वे उपयुक्त नियमावली के नियम 6 (ग) (xii) और 6 (ग) (xv) के अधीन आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

उपर की गई व्यवस्था को छोड़ कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान दें :—

- (1) जिस उम्मीदवार को नियम 6 (ब) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा दर्ने के बाद सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएँ समाप्त कर दी जाती है। किन्तु आवेदन-पत्र के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।
- (2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर दर्ने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय को स्थानान्तरित हो जाता है वह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु सम्बन्धी विधियाँ लेकर प्रतियोगिता में समिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानान्तरण न होने पर रहता, बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र विधिवत अनुशंसा सहित उसके मूल विभाग द्वारा, अनुरोधित कर दिया गया हो।

7. उम्मीदवार के पास :—

- (क) भारत के केन्द्र या राज्य विधान मण्डल के अधिनियम द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान या प्रयुक्त भू-विज्ञान या समुद्र भू-विज्ञान में “मास्टर” डिग्री, या
- (ख) भारतीय खान विद्यालय धनवाद से प्रयुक्त-भू-विज्ञान में एसोशिएटिशिप का डिप्लोमा,

(ग) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जनिज उच्चेष्ठ में मास्टर डिग्री (केवल भारतीय भू-विज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीन के लिए, या

(घ) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जल-भू-विज्ञान में मास्टर डिग्री (केवल केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के पदों हेतु)।

टिप्पणी 1 :—यदि उम्मीदवार एंसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के पर्याणाम की सूचना न मिली हों तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनिन्तम मानी जाएगी और यदि वे अहंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 20 अगस्त, 1990 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द को जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक ईस्ट से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विवित अहंताओं में से कोई अहंता न हो, बशतः कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसके स्तर आयोग के मतानुसार ऐसी हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित छहर सके।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अहंता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो व्यक्ति पहले से हो सरकारी नौकरी में आकर्षित क्या दर्दीनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैंसियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैंसियत से काम कर रहे हैं पर जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिवर्तन (अण्डरस्टॉकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता सं उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अनिन्तम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में सब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रणाली-पत्र (मर्टिफिकेट आफ एडमीशन) न हो।

12. जिस उम्मीदवार ने :—

(1) किसी भी प्रकार में अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा

(2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति सं छदम रूप से कार्य साधना कराया है, अथवा

(4) जाली प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया है, अथवा

(5) गलत या भूत्ते बक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छोपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा

(8) उत्तर पुस्तकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अलीन भाषा में या अभद्र आशय की हों, अथवा

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटनाकार किया हो, अथवा

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा

(11) उम्मीदवारों की परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रैंपित प्रबंध प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,

(12) पर्वोंका लंडों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर अपराधिक अभियांत्र (इक्विनिल प्रीमिक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी में वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अन्तर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विवरद्ध उत्त्यक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यालयी की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के वधीन कोई शासित तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

(1) उम्मीदवार इस सम्बन्ध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया हो तो तीन उस पर विचार न कर दिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा अपनी प्रियक्षा पर निर्धारित त्वरुतम अद्वैत कंक्रीट कर लेते हैं उन्हें शक्तित्व परीक्षण होते साक्षात्कार के लिये बुलाया जायेगा।

परन्तु यदि आयोग वो मतानसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुमूलिक जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित शिक्षितयों के भर्तने के लिये इन जातियों के उम्मीदवार परीक्षा संस्था में व्यक्तित्व परीक्षा के लिये साक्षात्कार होते नहीं बुलाये जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण होते साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. राक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अन्तिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता के संतुष्टि उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम में उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य ममताग्राही उनकी उन अनारक्षित शिक्षितयों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है। परन्तु आयोग द्वारा अनुमूलिक जाति अथवा अनुगृहीत जन-जाति के उम्मीदवारों की, उनको लिए आरक्षित शिक्षितयों की संस्था तक आरक्षित शिक्षितयों को भरने के लिए स्तर में छूट देकर उनकी सिफारिश की जा सकेगी जहाँ परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका रैंक कोड भी क्यों न हो किन्तु उस पर है कि ये उम्मीदवार सेवा/पदों पर नियुक्ति के लिए अन्यथा उपयुक्त हों। जो अनुमूलिक जाति तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार अन्य ममतायों के उम्मीदवारों के माथ-गाथ बिना किसी छूट का सामना उठाएँ अपनी योग्यता से चुने जाने के लिए उनका समयोजन आरक्षित शिक्षितयों में नहीं किया जाएगा।

15. प्रत्येक उम्मीदवार वो परीक्षाकल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार वो जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनमें परीक्षाकल के नाम में कोड प्रत्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने मध्य उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में विभिन्न पदों के लिये बताये गये धर्मीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जाएगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाये कि उम्मीदवार चरक्रित तथा पूर्ववृत्त की कृपित से इस सेवा में नियुक्ति के लिये हम प्रकार से उपयुक्त हैं।

18. उम्मीदवार को मानविक और शारीरिक हास्त से स्वरुप होना चाहिए और उसमें कोड एसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के स्पष्ट में अपने कर्तव्यों को क्रृशनतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि नियुक्ति डाक्टरी परीक्षा के ताव गथित्यनि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जायें, किसी उम्मीदवार को नाम में गह इन हांआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्ति किये जाने की समावना है केवल उन्होंकी डाक्टरी परीक्षा की जाएगी। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवार शल्क के स्पष्ट में ₹. 16.00 का भुगतान मौद्रिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट :—निराशा से बचने के लिये उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन करने से पहले मिशन मर्जन मर के मंकारी स्पेशलिस्ट अधिकारी में अपनी

डाक्टरी जांच करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं में गुजरा हांगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक एरिजिष्ट 2 में दिये गये हैं। दिक्ळांग हांग भूतपूर्व मौजिंगों को पद विभाग की अधिकारी स्तर में छूट दी जाएगी।

19. जिम्म व्यक्ति ने

- (क) एम्से व्यक्ति में दिवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या
- (ब) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए, किसी व्यक्ति भी विवाह गविवाह अनुबन्ध दिया है, जो वह सेवा में नियुक्ति के लिये पाय रही माना जाएगा।

परन्तु यदि कोई व्यक्ति सरकार इस बात में संतुष्ट हो जाये कि एसा विवाह एसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिक कानून के अनुसार व्यक्तिर्थ है और ऐसा करने के लिये अन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम में छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम में जिन पदों के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका भर्तीक्षित नियरण परिणाम ? में दिया गया है।

जे. वी. मुन्नीराजल् अवर मैचिव

परिणाम-1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी :—

भाग 1—नीचे पैरा दों में दिये गये विषयों में सिविल परीक्षा।

भाग 2—आयोग द्वारा साक्षात्कार होते बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण जो अधिकतम 200 ग्रंडों (दोस्तां नीचे पैरा 8) का है।

2. नियमित परीक्षा निम्न विषयों से ली जाएगी :—

| विषय | कोड नं० | समय | पूर्णांक |
|---|---------|------------|----------|
| 1) गामान्य अंग्रेजी | 01 | 1/1/2 घंटा | 100 |
| (2) भ-विज्ञान प्रश्न-पत्र I, | 02 | 3 घंटे | 200 |
| जिसमें मामान्य भू-विज्ञान, भू-आकृति विज्ञान, संरक्षात्मक भू-विज्ञान, स्तरकम विज्ञान और जीवाशम विज्ञान होंगे | | | |
| (3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र II, | 03 | 3 घंटे | 200 |
| जिसमें किट्टन विज्ञान, प्रानिज विज्ञान शेल, विज्ञान और भू-गणित विज्ञान होंगे | | | |
| (4) भ-विज्ञान प्रश्न-पत्र III, | 04 | 2 घंटे | 150 |
| जिसमें भारतीय व्यविज निकेष, अनिज अवैज्ञानिक व्यविज अवैज्ञानिक और आधिक भू-विज्ञान होंगे | | | |
| (5) जल भू-विज्ञान | 05 | 2 घंटे | 150 |

टोट :—वर्ग 1 और वर्ग 2 के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग 1 के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग 2 के अन्तर्गत पदों के लिये प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तथा (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'वस्तु परक' (वह-दिक्कल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिये कृपया आयोग के टोटिस के अनुबन्ध 2 पर 'उम्मीदवारों को सूचनाएँ' विवरणिका देखिए।

प्रश्न-पत्र (परीक्षण पुस्तकालय) केवल अंग्रेजी में होंगी।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्चा संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर अपने ही हाथ से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने को लिये किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या उभी विषयों के लिये अहेक अंक निश्चित कर सकता है।

7. उम्मीदवार वस्तु परक प्रश्न-पदों (परीक्षण पुस्तकालय) का उत्तर देने के लिये केलकुलटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

8. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहले तथा मेघालयिक, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक उज्जीविता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और चारित्रिक भिन्नों के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्चा

अंग्रेजी के प्रश्न-पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जाती है। भौवैज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम.एस.सी.डिग्री स्तर के होंगे और साधान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखें जायेंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) साधान्य अंग्रेजी (कोड 01)

अंग्रेजी भाषा की, समझ और अभिव्यक्ति करने की शक्ति की जांच करने के प्रश्न दिये जायेंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र 1 (कोड 02)

व—सामान्य भू-उद्गम—महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकोस और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन महासागर विस्तारण और एलटे तिवर्तनिकी की संकल्पना पुराजलवय और उनकी विशेषता। समस्थिति पुराचमाकली। पिंडिटामिता और उसका भूविज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालान कम और भूकाल। भूकम्भ विज्ञान और भग्नभूमि। ज्यालम्-मुखीयता। द्वीप चार गम्भीर, सागर, खार्त्यां और मध्य महासागरीय कट्टक। कोरल रीट। पर्वतन और प्लानेटेशन रखना। पर्वतनी चक्र।

ख—भू-आकृति विज्ञान—भू-आकृतिक प्रक्रम, लक्षण और उनके प्राचल। भू-आकृतिक चक्र और उनका अर्थ विवरण। द्वितीय और संस्कृताओं से इनका सम्बन्ध। गृह।

ग—संरचनात्मक भू-विज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण। विष्फैण्डल और वासन—उनकी धार्मिक प्राथमिक संरचना गंगारूण शलवज्जा और गोड। विज्ञान अन्तर्वधी और लक्षण गुम्बद। चेस्टरों के वीर्य तथा तल की पहचान। विषय विन्यास पटल विरुद्ध। इन सूचियासी, विश्लेषण।

घ—स्टरिकी—स्टरिकी के सिद्धांत तथा नामपद्धति। विषय स्टरिकी तथा पुराभूगोल की गूणरेखाएँ। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्रस्तुत अनुभान। गोडवान प्रणाली तथा गोडवान महाखण्ड।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगला देश) की स्टरिकी तथा पुराभूगोल प्रपुरु भारतीय शल समूह में सह-संबंध। भारतीय स्टरिकी में काल विषयक समस्याएँ।

इ—पराभूगोल (क) लीवासम, उनके प्रकार, संरक्षण, दृष्टिहीन तथा प्रायिग। अक्षरस्त्रिकों की आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान संबंधी इतिहास, प्रवाल, भजपद, पटल कलोम, पार्श्वीनाइटीज जेठरपाद, द्राइलोहाकर्ज शल चर्मीं ग्राटोलाइट्स और कार्पिनीफर्स।

(ख) गोडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर बल देते हुए लक्षणीयों के प्रमुख समूह। मानक हाथी तथा घोड़ा का विकास वृत्।

(ग) गोडवाना वनस्पति पर बल सहित जीवाश्य वनस्पति तथा इनका सहल और वितरण।

(घ) सूक्ष्मपूराभूगोल : फोरेसीफराइड्स के विशेष संदर्भ में इसका महत्व उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा परास्थिति विज्ञान।

(3) भूविज्ञान प्रश्न-पत्र 2 (कोड 03)

व—क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के समिमिति तत्व तथा वर्गीकरण 1 प्रक्षेत्र—मोलीप तथा त्रिविमं 32 क्लास (बिन्दु समूह)। यमलम तथा क्रिस्टल विषयता।

ह—इण्नोनात्मक रसीनिज विज्ञान

रसीनिज के भौतिक, रसायनिक, वैद्युत, चुम्बकीय तथा तापीय गुण धर्म। लिंगिकों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आरिद्रीत ग्रूप, शार्नेट ग्रूप, एमिडोट ग्रूप और मॉलिलाइट ग्रूप। जरलान, स्फीन, सिलिमनाइट, एन्डालसाइट, काथनाइट, पुरसाइज, रटारोलाइट और लैरिल, कार्पिडिएराइट द्वारा मैलीन। पाइ-राक्सीन ग्रूप और एमिडोल ग्रूप। बोलेस्टोनाइट और रोडोलाइट ग्रूप तथा स्कैपो लाइट ग्रूप। जाक्साइड्स हाइड्रोक्लोराइट क्लॉल्डसाइट ग्रूप सिलिका मिन्टल्स फैल्सैथाइड ग्रूप। जियोलाइट ग्रूप तथा लैफैलोलाइट ग्रूप। आमाइड्स, हाइड्रोक्लोराइट तथा कार्बोनेट्स फास्फोट हैलोइड्स, सल्फाइट्स तथा सल्फेट्स।

ज—प्रकाशिकी रसीनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के सामान्य, सिद्धांत। प्रकाशिक उप साधन। अपवर्तन, द्विअपवर्तन, विलोप कोण, बहुवर्णता। प्रकाशिक

दीर्घवदन, प्रकाशित अक्षय करेण। प्रकाशन अभिविन्यास परिपेक्षण। प्रकाशन। प्रकाशित विसंगतियां।

६—शैल विज्ञान

(1) आग्नेय : स्वरूप संरचना, गठन और वर्गीकरण प्रेनाइटोडायोरोइट। साइनाइट—नेफेलाइट साइनाइट ग्रेबॉ-पेरीडोइट-कुलाइट, डारलाइट, लैफ्रोफायर, पैग्माटाइट एप्लाइट, आईजोलाइट कार्बोनाइट। रियोलाइट ट्रेकाइट, डैकाइटों एन्ड जैल तथा व्हेल्ट।

सिलिकेट विस्टम में प्रावस्था निगम तथा साम्यता। दिवधटक तथा त्रिधटक तन्त्र। किस्टनीकरण क्रम। अभिक्षिया सिद्धांत क्रिस्टलीकरण—अनेकता। विभिन्नता। आरेख। प्रेनाइटोइस मानेनिनरविक तथा क्षारीय शैल कर्बोनाइट्स पनाइट्स तथा लग्नाफॉर्मरों का उद्गम।

(2) अवसादी : वर्गीकरण तथा बनावट। अवसादों का मूल। गठन और संरचना। अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसादों का यांत्रिक विश्लेषण। निक्षण की पद्धतियां। पूराधारायें तथा श्रेणी विश्लेषण। अवसादों का उद्गम क्षेत्र विक्षेपणीय पर्यावरण भारी खनिज तथा उनका महत्व। शिली भवन तथा प्रसंघन।

(3) कार्यान्तरित शैल : कायान्तरण के कारण प्रूप नियंत्रण संरचना, श्रेणी तथा सलक्षण। कायान्तरी विभेदन। सत्वांसरण तथा प्रेनाइटी भवन। अभिसंरचना, कणिकाशम, चानोकाइट, ओलाइट्स, शिस्ट, नाइसिसेंज और हार्नएस्फेसल। मेडसा और ओराजनी के संबंध में कायान्तरण।

७—भू-रसायन विज्ञान।

अवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य, पृथ्वी का प्रारम्भिक भू-रसायनिक विमदन, अवयवों का भू-रसायनिक वर्गीकरण अनुरोध अवयव/जल का रसायन विज्ञान। अवयवों का भू-रसायन विज्ञान भू-रसायनिक षक्ति तथा भू-रसायनिक पूर्वोक्त के सिद्धांत।

(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र 3 (कोड 04)

क—भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु अयस्कों और खनिजों का भारतीय निक्षेप, जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उदगम प्रणाली के सन्दर्भ में है :—

(क) तांबा, सीसा, जस्त, एल्बूमिनियम, मैग्नेशियम, लोहा, ग्रैनीज, ओर्मियम, सोना, चांदी, टंगस्टैन तथा मोलिब्डेनम।

(ख) अभ्रक, वामक्यलाइट, एस्टेस्टस, बेरीटिस, ग्रेफाइट, जिप्सम, गरिक, मूल्यवान तथा जल्यमूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, अपघणी तथा जैतिका शिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक; सीमेंट प्रलेख तथा वर्णन उद्योग निवाची पृथक।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाण उर्जा खनिज।

ख—खनिज अन्वेषण

पृथ्वी तथा अपृथ्वी अन्वेषण की पद्धतियां क्षेत्रगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण, अवस्क निषेपों का पता देने वाले मिदेश, अवस्क निषेपों का प्रसिद्धयम, 3—301GI/89

आमाषन और मूल्यांकन। खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक भू-रसायनिक तथा भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनुप्रयोग।

ग—खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था में खनिजों का महत्व। विनियमन उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग। मांग, आपूर्ति और प्रतीस्थापन भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य। खनिज उद्योगों के अन्तर्राष्ट्रीय पहल। सामरिक, कार्ति और अनिवार्य खनिज। संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति। खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति।

घ—आर्थिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण। आवश्यक धात्विक तथा अधात्विक खनिजों का अध्ययन जो उनके उनिजोपता, उपस्थिति तथा वितरण के सन्दर्भ में दिया गया हो।

(5) जल-भूविज्ञान (कोड 05)

जल-भूविज्ञान चक्र। भूर्याटी में जल वितरण। जलीय चक्र में भूजल आकाशी, मैग्मज और मैग्मीय जल और स्वोतों का उद्भव। जलधारी लक्षणों की दृष्टि से शैलों का वर्गीकरण, जल स्टर्टिको एकक। भूजल की उपस्थिति के बनकुल भू-वैज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र। भू-जल भंडार—जल भर, मिहजलभूत, अक्वीटाइट्स। जलभरों का वर्गीकरण।

शैलों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—मंरभूता रिक्त अनुपात, चुम्बकशीलता, पारगम्यता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक पराभव, आपेक्षिक धारिता, विसरणशीलता। भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पूर्णता—कूप पद्धतियों तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा चुम्बकशीलता और आपेक्षिक पराभव। स्टोरेटिविटी की पहचान। भू-जल की गति प्रशान करने वाले बल। भू-जल गति के नियम-डासी नियम के भू-जल का पुनर्भरण—कृतिम तथा प्राकृतिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारक, भू-जल के युति और क्षयी प्रयोग।

भू-जल अन्वेषण की पृष्ठीय तथा उप-पृष्ठीय प्रविधियां—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन। भू-जल निष्कर्षण की प्रविधियां (कूप-प्ररूप सर्वाधिक उपज हेतु विभिन्न प्रकार के छैल—क्षेत्रों में कूप-नियमण की पद्धतियां)। विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—धर उपयोग तथा सिंचाई संबंधी के सन्दर्भ में भू-जल के रासायनिक के लक्षण, जल प्रवृत्ति।

परिचय—II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम ये विनियम उम्मीदवारों की सूचिका के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडीकल एजेंसीज़) के बारा निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम जपेश्वारों को पूरा नहीं करता तो उसे स्वास्थ्य परीक्षण द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जा सकता। किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारण मानक के अनुसार स्वस्थ न मानने हए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत मरकार की यह अनुशंसा कर सके कि उक्स उम्मीद-

धार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को काहूँ हानि नहीं होगी।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा। रक्षा सेवाओं को भूतपूर्व विकलांग कर्मचारियों के मामले में पर्याप्त को देखते हुए सर में छूट दी जाएगी।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह अस्त्री है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वक्षतापूर्वक काम करने में वाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. भारतीय (एंग्लोइण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कद और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध को बारे में मौद्रिक बोर्ड के उपर यह भात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मानसिक रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपर्युक्त समझे, व्यवहार में लायें। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विवरण हो तो जाप के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्सार लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :

वह अपने जूते उतार देगा और उस मापवण्ड (स्टेप्पल्ड) से इस प्रकार राटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहे और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों के अंगूठे या किमी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़े रीक्षा खड़ा होगा और उसकी एडियों, पिंडलियां नितम्ब और कन्धे मापवण्ड के माथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का म्त्रर (बटोक्स आफ हॉल लेबल) हाईरिंग्टल बार (आड़ी छड़ा) के नीचे जाए। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

इस भाँति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उनकी भुजाएं सिर से उपर उठी हों। कीर्ति की छाती के गिर्द इस तरह लगाया जाएगा कि इसका उपरी किनारा झसफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (हन्फीरियर एंगिलस) के पीछे लगा रहे और वह कीर्ति की छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड़ समतल (हाईरिंग्टल/प्लेन) में रहे। फिर भूजाओं को नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा। किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे उपर या पीछे की ओर न किए जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए। तब उम्मीदवार को कड़ा बार गहरी सांस लेने के लिए कड़ा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर मावधानी से ध्यान दिया जाएगा। और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89 86-93.5 आदि। माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नहीं करना चाहिए।

विशेष ध्यान :—अन्तिम निष्ठि करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार मापे जाने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा। आधी किलोग्राम का उसका अंश नोट नहीं करना चाहिए।

6. उम्मीदवार की नजर की आंख निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक आंख का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(1) सामान्य (जनरल) : किसी रोग या असामान्यता (एक्सनेमेलिट) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी। यदि उम्मीदवार की आंखें अथवा साथ लायी संखनाओं (कन्ट्रिग्यूलस स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजूअल एक्यूइटी) : दृष्टि तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जायेगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नपरदीकी की नजर के लिए। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा ली जायेगी।

बहसे के बिना आंख की नजर (नेकड़ आइ विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मौद्रिक बोर्ड या अन्य मौद्रिक प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बोर्सिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

बहसे के साथ और बहसे के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :—

| | दूर की दृष्टि | | निकट की दृष्टि | |
|--------------------|---------------|-------------|----------------|-------------|
| | अच्छी आंख | खराब आंख | अच्छी आंख | खराब आंख |
| 35 वर्ष से कम | 6/9 | 6/9 | 0.6 | 0.8 |
| आयु बाटे | अथवा | अथवा | अथवा | अथवा |
| उम्मीदवारों के निए | 6/6 | 6/12 | | |

टिप्पणी: (1) मायोपिया का कुल परिणाम (सिलेप्टर सहित) 4.00 दी० से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिणाम (सिलेप्टर सहित) 4.00 दी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

टिप्पणी: (2) कंप्लेक्स परीक्षा: जहाँ तक संभव होगा चिकित्सा बोर्ड की विविध परीक्षा पर कंप्लेक्स परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी: (3) कलर विजन:

(1) कलर विजन की ओर जरूरी होगी।
(2) नीचे दी गई ताक्षिकियां के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और (निम्नतर) लोअर में से दोनों में होना चाहिए। लो लैटर्न में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

| प्रेरणा | रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर में | रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर में |
|---|---|--|
| 1. लैम्प और उम्मीदवार के दीच की दूरी | 4.9 मीटर | 4.9 मीटर |
| 2. द्वारक (एपर्चर) का आकार | 1.3 मि० मीटर | 1.3 मि० मीटर |
| 3. छहभाषन काल | 5 सेकेंड | 5 सेकेंड |

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के सम्बद्ध भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) तथा सहायक भू-विज्ञानी तथा केन्द्रीय भोग-जल बोर्ड से सम्बद्ध कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी तथा सहायक जल भू-विज्ञानी के पदों के लिए रंग, प्रत्यक्ष ज्ञान तथा आंखों से सम्बन्धित सभी चिकित्सा मानकों का स्तर उच्च होगा।

(111) लाल संकेत, हरे संकेत और रंग को आसानी से और हिंकियाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इंशिहारा के प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज श्रीन की लैंटर्न जैसी उपयुक्त लैंटर्न और उसकी रोशनी में विलाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों आंखों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लैंटर्न, सङ्क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिए लैंटर्न से जांच करना साज़ी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

टिप्पणी : (4) ईप्ट क्षेत्र (फील्ड आफ विजन) : सम्मुख विधि (कन्फर्नेशन मैथड) इवारा ईप्ट क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब क्षेत्र को परमाणी (पैरामीटर) पर निश्चिरित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (5) रत्तांधी (नाइट ब्लाइण्डनेस) : केवल विशेष मामलों वाले छोड़कर रत्तांधी की जांच नेहीं रूप से जरूरी नहीं है; रत्तांधी में दिलाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्टैण्डर्ड टैस्ट निश्चित नहीं है। मौँडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम जलाऊ टैस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध भीजों की पहचान करवा कर ईप्ट तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (6) ईप्ट की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की विशाएं (आक्युलर कण्डीशन्स) :

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन बूटि (रिफ्रिक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप ईप्ट की तीक्ष्णता से कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रकोमा) : रोहे जब तक भयानक हों साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भैंगापन : जहां दोनों आंखों की ईप्ट का होना जरूरी है भैंगापन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे ईप्ट की तीक्ष्णता निश्चिरित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति : एक आंख वाले व्यक्ति की नियुक्ति होते अनुरूप समझना नहीं की जाएगी।

7. रक्त दाव (ब्लड प्रेशर) :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय में काम लेगा। नार्मल मैक्सीमम सिस्टालिक प्रेशर के अकलन की काम जलाऊ विधि निम्न प्रकार है :—

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100+ आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के अकलन में 110+आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष व्याज : सामान्य नियम के रूप में 140 एम. एम. के ऊपर बिस्टालिक प्रेशर और 90 एम. एम. के ऊपर आय-स्टालिक प्रेशर को संदिग्धता मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह भी पता लगना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यक (आगोर्निक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृव्य का एक्सर और इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफी जांच रक्त यूरिया निकाय (क्लियरेंस) की जांच भी नेहीं तौर पर की जानी चाहिए।। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाव) लेने का तरीका :

नियमित : पारा वाले वामामी (सर्करी मानोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाव नहीं लेना चाहिए। रोगी बठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेष-कर उसकी बांह शिथिल और आराम से हों। बांह थोड़ी-बहुत हुंरीजंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रक्ख की भुजा के अन्वर की ओर रख कर और उसके निचले किनारों के काफ़े होनी के मोड़ से एक या दो हंड उपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु भमनी (ब्रूकिल आर्टरी) को दबादबा कर ढूँढ़ा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों-बीच स्टथो-स्कोप को हल्के से लाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में सगभग 200 एम. एम. एच. जी. हवा भरी जाती है और उसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती जाती है हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई देने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका हुता है वह सिस्टालिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पहने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएँ यह आयस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बावही एसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक नियश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं दाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पूनः प्रकट हो जाती है। इस 'साइलेंट गैस' से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मृत्र की छी परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मौँडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मृत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्ति का पता लेते हों बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा। और मधुमेह (आयविटीज) के वातक विजन और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि

सिवाय, अपेक्षित मैडिकल फिटनेस के स्टेप्हॉर्ड के अनुरूप पाए बोर्ड हस्त केस को मैडिकल को कियी एंसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसिरिया) के तो वह उम्मीदवार को हस्त शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है हस्तका ग्लूकोज मेह (अमधुमेही नान डायबोटिक) है और के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हैं। मैडिकल विशेषज्ञ स्टेप्हॉर्ड ब्लड शुगर टालरेस टेस्ट समेत जो भी किलीनिकल या लेबोरटरी परीक्षाएँ जखरी समझेंगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड का 'फिट' 'अनफिट' की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होने जरूरी नहीं होगा। घोषित के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कहीं विन तक अस्पताल में पूरी वेख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद अरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त धारों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कान की स्वरावी हैं तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की स्वरावी का इलाज शल्य किया जापरेशन या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को हस्त अधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बल्कि कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। यह उपलब्ध भारतीय रेल, भएडार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरिंग सेवा, सार इंजीनियरिंग सेवा, ग्रुप के तार यातायात सेवा ग्रुप 'क', केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा ग्रुप 'क' और केन्द्रीय वैश्व इंजीनियरिंग सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है :—

| 1 | 2 | 3 |
|--|---|---|
| (1) एक कान में प्रकट अथवा पूर्ण बहरापन, दूसरा कान सामान्य होगा। | यदि किसीसी में बहरापन 30 डेसिबल सक हो तो गेर तकनीकी काम के लिए योग्य। | |
| (2) दोनों कानों में बहरेपन का प्रत्यक्ष बोर्ड, जिसमें अवधार यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव है। | यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच किसीसी में बहरापन 30 डेसिबल तक हो तो तकनीकी तथा 30 डेसिबल के अन्दर होने पर योग्य। | |
| (3) सेंट्रल अथवा मार्जिनल टाइप के डिमेनिक मेम्ब्रेन छिप्र | (1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान से टिमेनिक मेम्ब्रेन में छिप्र हो तो अस्थाई आधार पर अयोग्य कान की शल्य चिकित्सा की चिकित्सा सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अन्य छिप्र बाले उम्मीदवारों को | |

| 1 | 2 | 3 |
|---|--|---|
| (4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सुधाई देना ही दूसरे कान से स्बनार्मल श्रवण। | अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित करने 3 म पर नीबै दिए गए नियम 4(3) के अंतर्गत विवार; किसी जो सकता है। | |
| (5) दोनों कानों में मार्जिनल एटिक छिप्र होने पर अयोग्य। | (2) दोनों कानों में से मेंट्रल छिप्र हीने पर अस्थाई रूप से अयोग्य। | |
| (6) नासापट की हड्डी संबंधी विषमताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा उससे रहित-डाक की जोर्ण प्रदाहक एलेंजिक दशा। | (1) किसी एक काम से सामान्य रूप में एक और से मस्टायड कैविटी से सुधाई देना ही दूसरे कान से स्बनार्मल श्रवण। | |
| (7) टांसिल्स और/अथवा स्वयंत्र (लेन्जि) की जोर्ण प्रदाहक दशा। | (2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी अक्फोकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की अवणता अवणयन लगाकर अथवा बिना लगाए सुधार कर 3 डेसीबल हो जाने पर गेर तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य। | |
| (8) कान, नाक, गले (ई० एम० टी०) के हूल्के अथवा अपने स्थान पर तुर्धम द्यूमर। | (1) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। | |
| (9) मास्टोकिरोसिस | (2) यदि लक्षणों सहित नासापुट अपमरण विद्यमान होने पर अस्थाई रूप से अयोग्य। | |
| (10) कान, नाक, अथवा गले के जन्मजात दोष। | (1) टांगिल और/अथवा स्वर घंटे की जोर्ण प्रदाहक दशा योग्य। | |
| (11) नेजल पोली | (2) यदि आवाज में अत्याक कर्षणता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य। | |
| (ए) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। | (3) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। | |
| (ग) उसके दात अच्छी हालत में हैं या नहीं और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दात लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दातों को ठीक समझा जाएगा)। | (4) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। | |

(प) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(इ) उसे पेट को कोई बीमारी है या नहीं।

(ज) उसे रज्जर है या नहीं।

(झ) उसे हाइड्रोसिल बड़ी हुई वरिकोसील, वरिकोज-शिरा (विन) या बवाहीर है या नहीं।

(झ) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रन्थियाँ भली भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसके कोई चिरस्थाई त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(अ) कोई जन्मजात क्रमाना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उथ या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमज़ोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टोके के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एकसरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष खिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नाट किया जाए। मैडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अंधक्षित विक्रान्तपूर्वक इयूटी में बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिए उसकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पैशल या स्टैण्डिंग मैडिकल बोर्ड के लियाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तसल्ली हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मैडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख से एक महीने के अन्दर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मैडिकल प्रमाण-पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जब कि उसमें संबंधित मैडिकल प्रैक्टीशनर का इस आशय को नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मैडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा रहा है।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट।

मैडिकल परीक्षण के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाये जाने वाले स्टेप्हेडड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और संवाकाल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाई रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को परिकल सर्विस में भर्ती के लिए योग्य समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपांइटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं है कि उसे कोई ऐसी बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (शार्डली इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उससे अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान से है और मैडिकल परीक्षा का एक मूल्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में बकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्वीकृत करने की सलाह इस हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डॉक्टर के मैडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किये जायेंगे, उन्हें भारत में या भारत से बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु मैडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उसका विस्तृत व्यापार नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहां मैडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के अयोग्य बनाये जाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (मैडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहां मैडिकल द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मैडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो दुबारा परीक्षा की अवधि साथरणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बावजूद जब दुबारा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों की और आगे की अवधि के लिये स्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के संबंध में अधिवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य हैं ऐसा निर्णय बंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मैडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्न-तिवित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये हुए नोट में, उल्लिखित चर्चावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना नाम पूरा लिखें

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमी, नागालैण्ड जन जाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिनका औसत कदम दूसरों से कम होता है। “हाँ” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर हाँ न हो तो उस जाति का नाम बताइये।

(ल) क्या आपको कभी चेपक, रुक रुक कर होने वाला कोई दूररा बुलार, ग्रंथियां (ग्लैण्ड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थक से खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फैफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रुमटिज्म एंडिसाइटिस हुआ है?

(ग) क्या दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शैया पर लटे रहना पड़ा हो और जिसका मैडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. क्या अपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण किसी किस्म की अधिकता (नर्वसनेस) हुई है?

5. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित व्यापार हैं :—

| | | | |
|--------------|---------------|-----------------|-----------------------|
| यदि माता | मृत्यु के समय | आपकी कितनी | आपकी कितनी |
| जीवित हो तो | माता को आयु | बहनें जीवित हैं | भाइयों की मृत्यु |
| उनकी आयु | और मृत्यु | और उनकी आयु | हो चुकी है |
| और स्वास्थ्य | का कारण | और स्वास्थ्य | मृत्यु के समय उनकी |
| की अवस्था | | की अवस्था | आयु और मृत्यु का कारण |

| | | | |
|--------------|---------------|---------------------|-----------------------------|
| यदि माता | मृत्यु के समय | आपकी कितनी | आपकी कितनी |
| जीवित हो तो | माता की आयु | बहनें जीवित हैं | भाइयों की मृत्यु |
| उनकी आयु | और मृत्यु | और उनकी आयु | हो चुकी है |
| और स्वास्थ्य | का कारण | और स्वास्थ्य | मृत्यु के समय |
| की अवस्था | | स्वास्थ्य की अवस्था | उनकी आयु और मृत्यु का कारण। |

6. क्या इसके पहले किसी मैडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

7. यदि उपर का उत्तर हाँ में हो तो बताएं किस सेवा किन सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?

8. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

9. कब और कहाँ मैडिकल बोर्ड हुआ

10. मैडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अधिवा आपको मालूम हो

मैं घोषित करता हूं कि जहाँ तक मेरा विश्वास है उपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर

किए

बोर्ड के अध्यक्ष के

हस्ताक्षर

नोट :—उपर्युक्त कथन की पर्याप्तता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होता। जानबूझकर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति दो बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी तो बार्धक्य नियृति भत्ता (सूपरएन्यूशन) अलाउन्स वा उपदान (प्रेष्यूटी) के सभी दावों से हाथ भो दैठेगा।

(क) _____ (उम्मीदवार का नाम) _____ की

शारीरिक परीक्षा या मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास अवृद्धि वीच का

पोषण : पतला _____ बीच का

मांटा _____ कद का (जूते उतार कर) _____ बजन

मैं कोई हाल में हुआ परिवर्तन

तापमान : _____

छाती का घेर

(1) पूरा सांस खीचने पर

2. त्वचा—कोई बाहरी बीमारी

2. त्वचा—कोई बाहरी बीमारी

3. नेत्र :—

(1) कोई बीमारी

(2) रसोंधी

(3) कलर विज्ञ का बोच

(4) दृष्टि के क्षेत्र (फील्ड आफ विज्ञ)

(5) फँड़स की आंख

(6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्सीटी)

(7) श्रिविम संगलन की योग्यता

| | | |
|--|----------------|-----------------------|
| दृष्टि की वीक्षणता | चश्मों के बिना | चश्मों से गोल मीलामुल |
| दूर की नजर | दा० ने० | दा० ने० |
| पान की नजर | दा० ने० | दा० ने० |
| हाइपरवैट्रोपिया (व्यक्त) | दा० ने० | |
| 4. कान : निरीक्षण | मुखना | |
| दाया कान | दाया कान | |
| 5. ग्रंथियाँ | थाईराइड | |
| 6. दांतों की हालत | | |
| 7. इवसन तंत्र (रेसपीरेटर सिस्टम) — का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों से किसी असमानता का पता लगा है। | | |
| यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा औरा वे | | |
| 8. परिसंचरण तंत्र (सरक्यूरिलटरी सिस्टम) | | |
| (क) हृष्य और आंगिक गति (आगोंनिक लीजन) | | |
| गति (रेट) : | | |
| लड़े होने पर | | |
| 25 बार कुदाए जाने के बाद | | |
| कुदाए जाने के 2 मिनट बाद | | |
| (क) डलड प्रैशर आयस्टालिक | सिस्टालिक | |
| 9. उवर (पेट) चेरा | स्पर्शहृवता | |
| हाँसियाँ | | |
| (क) बबाकर मालूम पड़ना : जिगर | | |
| तिल्ली | गुदे | |
| द्यूमर | | |
| (क) रक्तांश | | |
| भांवर | | |
| 10. तंत्रिका तंत्र (मर्भसीसिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अप्रसामान्यता का संकेत | | |
| 11. घाल तंत्र (लोकॉमिटर सिस्टम) : | | |
| कोई असाम्यता | | |
| 12. जनन भूत्र तंत्र (जैनेटी यूरिनरी सिस्टम) | | |
| हाइड्रोसील, बैरिकोसील आदि का कोई संकेत : | | |
| मूत्र परीक्षा १— | | |
| (क) कौसा दिवाई पड़ता है? | | |
| (क) उपरीक्षण गुरुत्व (स्ट्रॉफिक एंविटी) | | |
| (ग) एल्ब्यूम | | |

(ए) शब्दकर

(इ) कास्टस

(उ) कॉर्णिशिकाएं (सल्स)

13. छाती के एक्सरे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी वात है जिससे वह इस सेवा को इयूटी की वक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट : —महिला उम्मीदवार के माझले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अधिक उससे अधिक समय गर्भायी है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए (देखें) विनियम 9।

15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्पादन होते सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगत सेवा के लिए योग्य है।

नोट : —बोर्ड को अपना निर्णय निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।

- (i) योग्य
- (ii) _____ के कारण योग्य
- (iii) _____ के कारण अस्थाई रूप से अयोग्य स्थान

तारीख _____ सदस्य _____

परिषिक्षण III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके सम्बन्ध में संक्षिप्त विवरण।

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

(1) भू-विज्ञान (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिए चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिषिक्षण पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परिषिक्षण अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा कोर्स पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा 'परीक्षण' उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में निर्धारित वेतनमान :—

(i) भू-विज्ञान (कनिष्ठ) (कनिष्ठ वेतनमान)

रु. 2200-75-2800-द. रु.-100-4000 '।

(ii) भूविज्ञानी (वरिष्ठ) (वरिष्ठ वेतनमान) रु. 3000-100-3500-125-4500।

(iii) निदेशक (भू-विज्ञानी)—रु. 3700-125-4700-150-5000।

(iv) महानिदेशक/(भूविज्ञानी)—रु. 5900-200-6700।

(v) वरिष्ठ उप महानिदेशक (परिचालन)—7300-100-7600/- रुपये।

(vi) महानिदेशक—रु. 8000/- (नियंत्र)।

(c) सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(d) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्त वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों से उल्लिखित है।

(e) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्त लागू होंगी।

(f) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

(2) सहायक भू-विज्ञान श्रूप 'क'

(क) नियुक्ति होते, जुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो वह अवधि बढ़ाइ भी जा सकती है।

(ल) परिवीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का एसो कोर्स प्रा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो समक्ष अधिकारी द्वारा विहित किए जाएं।

(ग) वेतन का निर्धारित वेतनमान : रु. 2000-60-2300-द. रो.-75-3200-100-3500।

(घ) भू-विज्ञानी (श्रूप 'क'—कनिष्ठ वेतनमान) के संबंध में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञानी सर्वेक्षण में सहायक भू-विज्ञान के निम्न ग्रेड से पदोन्नति सुवाग की जाए।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख कर्मशः सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में किया गया है।

(घ) भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में किया गया है।

(छ) सहायक भू-विज्ञानिकों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

(i) वैज्ञानिक "ख" (कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी) श्रूप 'क'—

(क) नियुक्ति होते जुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि होते परिवीक्षा पर रखा जाएगा उस अवधि को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ल) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में विहित वेतनमान—

(i) वैज्ञानिक "ख" (कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी)---रु. 2200-75-2800-द. रो.-100-4000।

(ii) वैज्ञानिक "ग" (वरिष्ठ जल-भू-विज्ञानी)---रु. 3000-100-3500-125-4500।

(वैज्ञानिक "घ")—रु. 3700-125-4700-150-5000।

(iv) मरुष्य जल-भू-विज्ञानी—रु. 5100-150-5700।

(ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किये गये भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(च) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

2. सहायक जल भू-विज्ञानी श्रूप 'ख'

(क) नियुक्ति होते जुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा यदि आवश्यक समझा गया तो यह अवधि बढ़ाइ भी जा सकती है।

(ल) निर्धारित वेतनमान रु. 2000-60-2300-द. रो.-75-3200-100-3500।

(ग) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (श्रूप 'क') के संबंध में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय

नियमों परामेलीत समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न बोर्ड से परामेलीत द्वारा दी जाएगी।

(अ) सेवा, अवकाश और पेंशन की पात्री वही होती है जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित है।

**LOK SABHA SECRETARIAT
(RCC BRANCH)**

New Delhi-110001, the 25th August 1989

No. 4/5/85-RCC.—Shri Chiranjit Lal Sharma and Shri Swami Prasad Singh, Members, Lok Sabha, have been nominated on August 23, 1989 to serve as Members of the Parliamentary Committee to review the rate of dividend payable by the Railway Undertaking to the General Revenues as well as other ancillary matters in connection with the Railway Finance, vis-a-vis, the General Finance vice S/Shri Basudeb Acharya and V. Tulsiram resigned from Lok Sabha.

R. D. SHARMA, Jt. Secy.

**MINISTRY OF LAW AND JUSTICE
(LEGISLATIVE DEPARTMENT)**

New Delhi, the 29th September 1989

RESOLUTION

No. F.4(2)/88-OI.—In continuation of the Ministry of Law and Justice Resolution No. F.4(2)/88-OI dated the 8th September, 1989 Shri Bandhu Mahto, Member Rajya Sabha and Member Parliamentary Committee on Official Language shall also be a Member of Hindi Sahakar Samiti for the Ministry of Law and Justice.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to :—

Prime Minister's Office/Cabinet Secretariat/Department of Parliamentary Affairs/Lok Sabha Secretariat/Rajya Sabha Secretariat/Planning Commission/President's Secretariat/ Director of Audit, Central Revenues, New Delhi and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

M. K. RAMASWAMY, Jt. Secy.

**MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS
(DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE)**

New Delhi-110003, the 22nd August 1989

RESOLUTION

No. E-11011/1/89-Ka.Hind-I-II.—The Government of India have decided to reconstitute the Hindi Sahakar Samiti of the Ministry of Environment and Forests. The composition of the Samiti and its functions will be as under :—

COMPOSITION

Chairman

Minister for Environment and Forests

Vice-Chairman

Minister of State for Environment & Forest

Members

TWO MPs FROM LOK SABHA

1. Shri Shankar Dayal Singh, MP (Lok Sabha)
2. Shri Ram Samujhwan, MP (Lok Sabha)

TWO MPs FROM RAJYA SABHA

3. Shri Shiv Kumar Mishra, MP (Rajya Sabha)

4—301GT/89

(इ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवायें) नियमाबली में उल्लिखित हैं।

(ब) सहायक जल भू-विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

4. Thakur Kamakhya Prasad Singh, MP (Rajya Sabha)

TWO MPs FROM PARLIAMENTARY COMMITTEE ON OFFICIAL LANGUAGE

5. Shri J. Choka Rao, MP (Lok Sabha).
6. Smt. Kesharbai Kshirsagar, MP (Lok Sabha).

NON-OFFICIAL MEMBERS

7. Pandit Sudhakar Pandey
Pradhan Mantri, Naari Pracharni Sabha,
Varanasi-210016.
8. Shri Prakash Chandra
Shivhare,
Balaganj, Agra. (Uttar Pradesh).
9. President,
Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad
XY-68, Sarojini Nagar,
New Delhi-110023.
10. Shri N. D. Bachkheti
85, Basant Vihar,
Dehradun.
11. Dr. D. N. Tiwari,
Vice Chancellor,
Guru Ghasidas University,
Bilaspur (Madhya Pradesh).
12. Dr. Vishwa Narayan Shastri,
Red Cross Road,
Guwahati.
13. Dr. Vishrant Vashisth
D-3/2, Loboni Estate,
Salt Lake City,
Calcutta-700064.
14. Prof. (Dr.) Iqbal Ahmad
Hindi Department,
Calicut University,
Calicut.
15. Smt. Usha Bhalerao
C/o Shri Dinesh Bhalerao
Deputy Director, Social Forestry,
Shivaji Nagar,
PO-Parbhani-431401 (Maharashtra).

OFFICIAL MEMBERS

16. Secretary, Ministry of Environment and Forests
17. Inspector General of Forests,
Ministry of Environment and Forests.
18. Additional Secretary,
Ministry of Environment and Forests.
19. Additional Secretary,
Ganga Project Directorate.
20. Additional Secretary,
National Wasteland Development Board.
21. Joint Secretary (Administration),
Ministry of Environment and Forests.
22. Joint Secretary (Finance),
Ministry of Environment and Forests.
23. Deputy Secretary (Administration),
Ministry of Environment and Forests.
24. Secretary Department of Official Language
and Hindi advisors to the Government of India.

25. Joint Secretary,
Department of Official Language,
26. Chairman
Central Pollution Control Board, New Delhi.
27. Director,
National Museum of Natural History, New Delhi.
28. Director,
National Zoological Park, New Delhi.
29. Director General,
Council of Forestry Research and Education,
Dehradun.
30. Director,
Forest Survey of India, Dehradun.

31. Director,
Indira Gandhi National Forest Academy,
Dehradun.
32. Director,
Botanical Survey of India, Calcutta.
33. Director,
Zoological Survey of India, Calcutta.
34. Managing Director,
Andaman and Nicobar Island Forest & Plantation
Development Corporation Ltd. Port Blair.

Member-Secretary

35. Deputy Director (OL),
Ministry of Environment and Forests.

2. FUNCTIONS OF THE SAMITI

This Samiti will advise the Ministry of Environment and Forests on matters relating to progressive use of Hindi for official purposes and allied issues.

3. TENURE

The term of the Members of the Samiti will be three years from the date of its composition, subject to the following conditions :

- (a) Members of Parliament who are members of this Samiti will cease to be members as soon as they cease to be Members of Parliament.
- (b) Ex-Officio members of the Samiti shall continue as members only so long as they hold the office by virtue of which they are members of the Samiti.
- (c) A member who is appointed against a vacancy caused by the death of a member, shall hold office only for the residual term of deceased member.

4. GENERAL

- (i) The Samiti may nominate additional members as co-opted members and can also invite experts to attend its meeting as may be considered necessary from time to time.
- (ii) The Headquarters of the Samiti shall be at New Delhi, but if considered necessary, it may hold its meetings at any other place also.

5. TRAVELLING AND OTHER ALLOWANCES

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Samiti at the rates fixed by the Government of India from time to time.

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territory Administration, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, and all the Ministries/Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. S. HASURKAR, Lt. Secy.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

New Delhi, the 28th October 1989

RULES

No. A-12025/12/89 M.2(A).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1990 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Water Resources, published for general information :—

Category I (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines).

(i) Geologist (Junior), Group A and

(ii) Assistant Geologist Group B

Category II (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Water Resources).

(i) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A.

(ii) Assistant Hydrogeologist, Group B.

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

2. Appointment on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either :—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January, 1990 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1960 and not later than 1st January, 1969.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants, if they are employed in a Department mentioned in Column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

| Column I | Column II |
|----------------------------|---|
| Geological Survey of India | Geologist (Junior) Group A Assistant Geologist, Group B |
| Central Ground Water Board | Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A. Assistant Hydrogeologist, Group B |

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste, or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar, or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

(viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;

(x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;

(xiv) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1990 and have

been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1990) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

(xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1990 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1990 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military service or (iii) on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xvi) up to a maximum of 5 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military service as on 1st Jan., 1990 and are retained in Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on 3 months notice on securing civil employment;

(xvii) up to a maximum of 10 years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st Jan., 1990 and are retained in the Military Service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;

(xix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe

and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;

(xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985;

(xxi) up to a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Castes or a Scheduled Tribes and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE I—The term ex-servicemen will apply to the persons, who are defined as ex-servicemen in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and posts) Rules, 1979, as amended from time to time.

NOTE II—Ex-Servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (xiv) & 6(c) (xv) of the Rules.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to compete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application, duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

(a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956; or

(b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or

(c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University (for posts in the Geological Survey of India only); or

(d) Master's degree in Hydrogeology from a recognised University (for posts in the Central Ground Water Board only).

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the results may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 20th August, 1990.

NOTE II.—In exceptional cases the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must Pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harrassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct or their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to the candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnel, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to such candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

J. B. MUNIRAJULU, Under Secy.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for them, be recommended by the Commission by a relaxed standard to fill up the vacancies reserved for them subject to the fitness of these candidates for appointment to the services/posts irrespective of their rank in the order of merit at the examination. The Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates who are selected on their own merit without relaxed standards alongwith candidates belonging to other communities, will not be adjusted against the reserved share of vacancies.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical Examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the

APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I.—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II.—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 8 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

| Subject | Code No. | Duration | Maximum Marks |
|--|----------|----------|---------------|
| (1) General English I . . . | 01 | 1½ hrs. | 100 |
| (2) Geology Paper I, comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology . . . | 02 | 3 hrs. | 200 |
| (3) Geology Paper II, Comprising Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geo-Chemistry . . . | 03 | 3 hrs. | 200 |
| (4) Geology Paper III, comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration, Mineral Economics and Economic Geology . . . | 04 | 2 hrs. | 150 |
| (5) Hydrogeology . . . | 05 | 2 hrs. | 150 |

NOTE :—Candidates competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including sample Questions, please see "Candidates' information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

The Question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They *should not*, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

8. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

SCHEDULE

STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

(1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Questions to test the understanding of and the power to write English.

(2) GEOLOGY PAPER I (Code 02)

A. General Geology.—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evolution and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics. Palaeoclimates and their significance. Isostasy, Palaeomagnetism. Radioactivity and its application to geology. Geochronology

and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth. Geosynclines. Volcanism, Island arcs, deep-sea trenches and modocceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Organic cycles.

B. Geomorphology.—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

C. Structural Geology.—Physical properties of rocks. Deformation; Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds, Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

D. Stratigraphy.—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type section of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations, age problems in Indian stratigraphy.

E. Palaeontology—(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals, brachiopods, lamellibranch ammonites, gastropeds, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifera.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

(3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystal imperfections.

B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group. Garnet group. Epidote group and Melilite group and Amphibole group. Wallastonite and Rhodonite. Toroz, Staurolite, Beryl, Cardierite, Tourmaline, Pyrozene group and Amphibole groups. Wallastonite and Rhodonite. Mica Group. Chloride group and Clay minerals. Feldspar group. Silica minerals. Feldspathoid group. Geelite group and Scapolite group. Oxids, Hydroxides. Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories. Refrindex, birefringence. Extinction angle, Pieochroism, Optical

eliosoids Optical axial angle, Optic orientation. Dispersion
Optic anomalies.

ore deposits Application of geophysical, geochemical and
geobotanical surveys in mineral exploration.

D. PETROLOGY

(i) *Igneous*: Forms, structures, texture and classification. Granite-Granodior-Diorite, Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Periodotite-Dunite Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Appite, Ijolite and Carbonatite. Rhyolite, Trachyte, Dacite Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of Crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monominerallc and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary*: Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environment. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic*: Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

(4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)

A. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin:

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semi-precious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass, fertiliser-cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration, guides for locating ore deposits. Sampling assaying and evaluation of

C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of Mineral industries. Strategic, critical and essential mineral. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of location and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

HYDROGEOLOGY (Code 05)

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, acquiclude, aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational. Water pollution.

APPENDIX II

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government

of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if these be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84-89 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighted and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General.*—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eyelids or continuous structure of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) *Visual Acuity.*—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be follows :—

| Distant Vision | | Near Vision | |
|----------------|-----------|-------------|-----------|
| Better eye | Worse eye | Better eye | Worse eye |
| 6/9 | 6/9 | 0·6 | 0·8 |
| or | or | | |
| 6/6 | 6/12 | | |

NOTE (1)—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed -4.00 D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00 D.

NOTE (2)—*Fundus Examination:* Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3)—*Colour vision:* (i) The testing of colour vision shall be essential

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

| Grade | Higher Grade of Colour perception | Lower Grade of Colour perception |
|--|-----------------------------------|----------------------------------|
| 1. Distance between the lamp and candidate . . . | 4·9 metres | 4·9 metres |
| 2. Size of aperture . . . | 1·3 mm. | 1·3 mm |
| 3. Time of exposure . . . | 5 Sec. | 5 Sec. |

For the post of Geologist (Jr.) and Assistant Geologist concerning Geological Survey of India and Junior Hydrogeologist and Asstt. Hydrogeologist concerning Central Ground Water Board, the medical standards in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order.

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like edridge green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the tests, both the tests should be employed.

NOTE (4)—*Field of vision.*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5)—*Night Blindness.*—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (6)—(a) *Ocular conditions other than visual acuity.*—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) **Trachoma.**—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) **Squint.**—Where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard, should be considered as disqualification.

(d) **One-eyed persons.**—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subject over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent gap may cause error in readings).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for

the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will issue its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidates hearing in each ear is good nad that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if, the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

| 1 | 2 | 3 |
|---|--|---|
| (1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal. | Fit for non-technical job if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency | |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement a possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000. | |
| (3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. | (i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane present— Temporarily unfit. Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below. (ii) Marginal or attic perforation in both ears— Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit. | |

| 1 | 2 | 3 |
|--|---|---|
| (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides. | (i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both, sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs of hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid. | |
| (5) Persistently discharging ear operated/unoperated. | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs. | |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum. | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit. | |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx. Fit. (ii) Hoarseness of voice or severe degree is present then Temporarily Unfit. | |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T. | (i) Benign Tumours Temporarily—unfit. (ii) Malignant Tumour—Unfit. | |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 decibels after operation with the help of hearing aid—Fit. | |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat. | (i) If not interfering with functions—Fit. (ii) Stuttering of severe degree—Unfit. | |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. | |
| | (b) that his speech is without impediment; (c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound); | |

- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been

given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be coopted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologist are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in board terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....
2. State your age and birth place

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No', and if the answer is "Yes" state the name of the race.

(b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.

(c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?

4. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause?

5. Furnish the following particulars concerning your family :—

| | | | |
|---|---|--|---|
| Father's age if living, and state of health | Father's age at death and cause of death | No. of bro- thers living, their ages and state of health | No. of brothers dead, their ages at and cause of death. |
|---|---|--|---|

| | | | |
|---|---|--|---|
| Mother's age if living, and state of health | Mother's age at death and cause of death | No. of sisters living, their ages and state of health | No. of sisters dead, their ages at and cause of death |
|---|---|--|---|

6. Have you been examined by a Medical Board before ?

7. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/posts you were examined for.

8. Who was the examining authority ?

9. When and where was the Medical Board held?....

1. Results of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.....

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims of superannuation allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development: Good Fair
Poor

Nutrition : Thin Average Obese

Height (without shoes) Weight

Any recent change in weight
Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin : any obvious disease

3. Eyes

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of Vision

(5) Fundus Examination

(6) Visual Acuity

(7) Ability for stereoscopic fusion

| Acuity of vision | Naked eye | With glasses | Strength of glasses | sph. cv. Axis. |
|-----------------------------|-----------|--------------|---------------------|-------------------|
| Distant Vision | | | | |
| RE | | | | |
| LE | | | | |
| Near Vision | | | | |
| RE | | | | |
| LE | | | | |
| Hypermetropia (Manifest) | | | | |
| RE | | | | |
| LE | | | | |

4. Ears : Inspection Hearing : Right Ear
..... Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory system

(a) Heart and organic lesions
Rate: Standing
After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic Diastolic

9. Abdomen : Girth
Tenderness
Hernia

(a) Palpable Liver Spleen

Kidneys Tumours

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cells

13. Report of X-Ray Examination of Chest

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their finding under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

President ..
Member ..

Place

Date

APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

1. Geological Survey of India

(1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India.

(i) Geologist (Junior) (Junior Scale)—Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Geologist (Senior) (Senior Scale) Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iii) Director (Geology) Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Dy. Director General (Geology) Rs. 5900—200—6700.

(v) Sr. Dy. Director General (Operation) Rs. 7300—100—7600.

(vi) Director General Rs. 8000 (fixed).

(d) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistants Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

(d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in all the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) Assistant Geologist are liable for service anywhere in India or outside India.

2. Central Ground Water Board

(1) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—

(i) Scientist 'B' (Jr. Hg.) Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

(ii) Scientist 'C' (Sr. Hg.) Rs. 3000—100—3500—125—4500.

(iii) Scientist 'D' Rs. 3700—125—4700—150—5000.

(iv) Chief Hydrogeologist Rs. 5100—150—5700.

(c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modification as may be made by Government from time to time.

(f) All Officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.

(2) Assistant Hydrogeologist, Group B—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) Prescribed scale of pay Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500.

(c) Recruitment to the cadre of Scientist 'B' Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.

(d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Assistant Hydrogeologist are liable for Service anywhere in India or outside India.

